Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 03-08-2006
Participants : Suman Shri Ramji Lal,Kumar Shri Shailendra,Gangwar Shri Santosh Kumar,Krishnadas Shri N.N.,Mahtab Shri Bhartruhari,Pathak Shri Brajesh,Singh Shri Prabhunath,Panda Shri Prabodh,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Yadav Shri Devendra Prasad,Krishnaswamy Shri A.,Singh Kunwar Rewati Raman,Athawale Shri Ramdas,Salim Shri Mohammad,Khanna Shri Avinash Rai,Dasgupta Shri Gurudas,Ranjan Smt. Ranjeet,Singh Shri Ganesh,Yadav Shri Ram Kripal,Pathak Shri Harin,Dasmunsi Shri Priya Ranjan

>

Title : Regarding reported presence of pesticides in cold drinks being sold in the country.

MR. SPEAKER: Hon. Members I am going to allow you to raise this matter. I know it is of great importance. Please take your seats. Let me regulate. I will give the opportunity to all the hon. Members who have given notice. If any party is left out, I would see that they are also accommodated. Please cooperate. These are important issues. Allow me to conduct the proceedings. I would go according to the names I have got here.

… (*Interruptions*)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : हमारे बच्चों को पेस्टीसाइड पिलाया जा रहा है।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will not prevent or deny any party. If they want to associate, they can do so.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, शीतल पेयों में कीटनाशकों के पाए जाने पर यह सदन पहले भी चिंतित रहा है। आज जो तथ्य समाचार पत्रों में छपे हैं, वे अत्यधिक भयावह हैं। शीतल कम्पनीज हमारे जीवन में जहर घोल रही हैं। तीन साल पहले कीटनाशकों का स्तर बीआईएस के मानकों से 34 गुना अधिक था, लेकिन सीएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस समय 52 गुना अधिक हो गया है। मैं आरोप लगाना चाहता हूं कि जो सुरक्षा मानक सुनिश्चित हुए थे, शीतल पेय उद्योग के दबाव में यह सरकार उन मानकों को लागू करने में असफल रही है। शीतल पेयों की प्रमुख कम्पनीज कोकाकोला और पेप्सी हैं। इनके 11 ब्रांड्स में स्वीकृत मात्रा से 25 गुना अधिक मात्रा में कीटनाशक के प्रमाण मिले हैं। कुछ कीटनाशक ऐसे हैं, जो भारत में प्रतिबंधित हैं, लेकिन वे भी उन शीतल पेयों में मिले हैं।…(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : यहां पर स्वास्थ्य मंत्री जी नहीं हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी को सदन में बुलाएं।

MR. SPEAKER: The Cabinet Minister is here.

… (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : It is such an importance issue. … (*Interruptions*) The concerned Minister should have been present. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Cabinet Minister in-charge is here.

… (*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दासमुंशी) : यहां पर मिनिस्टर इन चार्ज यानी मैं हूं, राज्य मंत्री भी हैं इसलिए आपको कोई चिंता नहीं होनी चाहिए।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): The concern Minister should have been here. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have made your point.

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : सेंटर फार साइंस इंवायरमेंट ने इन शीतल पेयों की कम्पनीज की 25 इकाइयों से 57 सेम्पल्स का परीक्षण करने के बाद यह निर्का निकाला है। कोकाकोला और पेप्सी के लिए गए सेम्पल्स के मुताबिक कीटनाशकों की मात्रा कोलकाता में 52 गुना अधिक है, नैनीताल में 42 गुना अधिक है और ठाणे में तो एक सेम्पल में कीटनाशक की मात्रा 200 गुना अधिक है। भारत में हैक्टाक्लोरिन पर प्रतिबंध है, लेकिन वह कीटनाशक भी इन पेय पदार्थों में मिला है। एक और घातक कीटनाशक लिंडेन की मात्रा भी बहुत ज्यादा है। पेप्सी और कोकाकोला का सालाना बाजार करीब 6570 करोड़ रुपए है। आप जानते हैं कि जब इन पेय पदार्थों में अधिक मात्रा में कीटनाशकों के मामले प्रकाश में आए तो संसद की एक संयुक्त समिति बनी थी। उस समिति ने फरवरी 2004 में मानक स्थापित किए जाने के लिए दिशा निर्देश दिए थे। अक्तूबर 2005 में मानक निर्धारित भी किए गए। मार्च 2006 में समिति ने मानकों को पुनः स्वीकृति दी। मेरा आरोप है कि संयुक्त संसदीय समिति के बार-बार आग्रह करने के बाद और निर्देश दिए जाने के बाद भी शीतल पेयों में कीटनाशकों के मानक जो निर्धारित किए गए थे, वे अधिसूचित नहीं किए गए, वे सख्ती से लागू नहीं किए गए। सबसे अधिक अफसोस की बात है कि जब यह मामला समाचार पत्रों में छपा तो स्वास्थ्य मंत्री जी की प्रतिक्रिया समाचार पत्रों में छपी, जो कि अत्यधिक निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इसमें जांच करने की कोई चीज नहीं है। हमारा आरोप है कि शीतल पेयों की बहुराट्रीय कम्पनीज के सामने यह सरकार नतमस्तक हो गई है और लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किए जाने का काम किया जा रहा है। यह धीमा ज़हर दिए जाने का प्रयास है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, जिसका सहज अनुमान लगाया जा सकता cè[R14]।

सब कुछ होने के बावजूद भी जो गंभीरता सरकार को इन मानकों को लागू करने में दिखानी चाहिए और जो कार्रवाई सरकार को करनी चाहिए, उस कार्रवाई के बजाए सरकार ने इन कंपनियों के सामने आत्म-समर्पण कर रखा है। अध्यक्ष जी, हम आपके मार्फत चाहेंगे कि माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहां आये और जो स्थिति है उसके बारे में बयान दें। हिंदुस्तान जैसे देश में शीतल पेयों में कीटनाशक बिकना निश्चित रूप से मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है।

MR. SPEAKER: I will call hon. Members from all the political parties. I have got a list of 14-15 names.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष जी, सेंटर फॉर साइंस एंड एंवायरनमेंट की निदेशिका सुनीता नारायण ने तीन वर्ा पहले कहा था कि 11 कोल्ड ड्रिंक्स ब्रांडों के 57 नमूनों में 22 से 25 गुना अधिक मात्रा में कीटनाशक पाए गये।

MR. SPEAKER: There is no good in repeating the same thing.

श्री शैलेन्द्र कुमार : इन कोल्ड ड्रिंक्स को हमारे देश के बच्चे पीते हैं और जो छोटे बच्चे हैं उनको इसका नुकसान ज्यादा हो रहा है और तमाम किस्म की बीमारियों से हमारे बच्चे ग्रस्त हो रहे हैं। इस स्लो-जहर से कैंसर और किडनी खराब होने का डर है। इसलिए तत्काल इस पर रोक लगाई जाए।

MR. SPEAKER: If everyone takes ten minutes, how can we complete it?

श्री शैलेन्द्र कुमार : जिन 11 कोल्ड ड्रिंक्स के नमूने लिये गये हैं वे हैं पेप्सी कोला, पेप्सी कैफेचिनो, मांउटेन ड्यू, मिरींडा ऑरेंज, मिरींडा लेमन, ड्यूक नेमोनेड, सेवन-अप, कोका-कोला, थम्स-अप, लिम्का और फैंटा। भारतीय मानक ब्यूरो ने इनमें 22 से 25 गुना अधिक मात्रा में कीटनाशक पाए हैं। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि फरवरी 2004 में संसद की संयुक्त संसदीय समिति ने मानक निश्चित करने के लिए जो समिति गठित की है उन्हीं मानकों के अनुसार कार्रवाई करके इनपर रोक लगाई जाए जिससे आम जनमानस जो स्लो-जहर पी रहा है उस पर रोक लगे।

MR. SPEAKER: I will call all the hon. Members who have given notices. If any hon. Member from any other party is not included, I will give opportunity to him also.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : अध्यक्ष जी, जैसा हमारे साथियों ने कहा कि जो रिपोर्ट आई है वह चिंताजनक है। दुर्भाग्य की बात यह है कि जो तथ्य सामने आ रहे हैं कि भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार मानक तो निर्धारित हैं लेकिन सरकार ने उनको अभी अधिसूचित नहीं किया है। जब से ये तथ्य सामने आये हैं कि काफी लड़ाई के बाद भी निर्देशों की अनदेखी हो रही है और देश में आधी बीमारियां पीने के पानी से होती हैं। विश्व-बैंक से भी हमको मदद मिलती है कि कितना शुद्ध पानी होना चाहिए जिसे हम पीयें। तकलीफ की बात यह है कि जो विज्ञापन आ रहे हैं उनको देखकर आम आदमी उनकी ओर आकर्ति होता है। मेरा आग्रह है कि इस विाय को गंभीरता से लें। दुर्भाग्य यह है कि हमारे देश में पीने के पानी के मानक भी अभी तय नहीं हैं। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you say that this matter is very important, but you are not even allowing me to hear the hon. Member. This is not the seriousness which is to be shown.

श्री संतोा गंगवार : आजादी के इतने वर्षों के बाद भी हम अपने देश में पीने के पानी का स्तर क्या होना चाहिए, यह तय नहीं कर पाए हैं। यह तथ्य भी सामने आ रहा है कि पीने के पानी की बोतल में भी मिलावट है तो कोल्ड ड्रिंक्स की तो बात ही क्या है? मेरा आग्रह है कि सरकार पीने के पानी का मानक तत्काल निर्धारित कर ले और इस दिशा में सरकार दिशा-निर्देश जारी करे। यहां पर माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी मौजूद हैं। ऐसे विज्ञापनों पर तत्काल रोक लग जानी चाहिए जिन्हें देखकर आम आदमी का मन भी इन कोल्ड ड्रिंक्स को पीने का हो जाता है।

SHRI N.N. KRISHNADAS (PALGHAT): Thank you, Sir. This is a very important and a serious matter which we are debating in our House now.

MR. SPEAKER: Hon. Members are making a mention of it; we are not debating.

SHRI N.N. KRISHNADAS : Sir, you may be aware that about four years ago, in 2003, we had a debate on this very same matter in this House.

MR. SPEAKER: You do not have to repeat them.

SHRI N.N. KRISHNADAS : Sir, the House constituted a Joint Parliamentary Committee headed by Shri Sharad Pawar and that Committee had submitted its report.

MR. SPEAKER: We all know that.

SHRI N.N. KRISHNADAS : My criticism is that till today, not even a single step has been taken to restrict the content of pesticide in softdrinks[V15].

A terrifying news item has appeared in almost all the newspapers of the country. It is very harmful, especially for the children and for other people of the country. I come from Kerala and my constituency is Palghat. The well-known Plachimada is situated in my constituency only. For the last one-and-a-half years,

people across the country are agitating against the Pepsi and Coca-Cola companies. These companies are exploiting our ground water for manufacturing Coca-Cola, Pepsi and other packaged drinking water. It has been found that the pesticide level in all these soft drinks manufactured by these MNCs is much higher than the permitted standard.

So, the Government should come forward and ask these companies to withdraw from the market all the packaged drinking water and soft drinks. This is my suggestion.

SHRI B. MAHTAB (CUTTACK): Sir, new reports have been published that the levels of pesticides in soft drink samples available in market exceed the Bureau of Indian Standards. Three years back the Centre for Science and Environment had released its first finding on pesticides residue in soft drinks. The new study shows that nothing much has changed and the soft drinks remain unsafe and unhealthy. Even the directions given by the JPC have been disregarded. The allegation today is, standards for safety have been finalised but are being blocked because of the opposition by the companies. I would mention that Heptachlore, which is banned in India, is found in 71 per cent of the samples at levels four-times higher than the BIS standards.

The JPC had directed the Government to set standards for pesticide residue in the products and 20 meetings of Bureau of Indian Standards were held in October 2005. The standards were finalised. Yesterday, the Minister had said that it is for the State Governments to check the quality of items available in the market. It has also been said that the standards for packaged water had already been notified but standards for sugar and concentrate are yet to be finalised. This is the statement made by the Minister yesterday.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is not a debate. You may raise your voice on the serious matter.

SHRI B. MAHTAB : My contention is, the Government says that already specified standards are being followed. I would urge upon the Government to impress upon the Indian Council for Medical Research to finalise the standards for sugar and concentrates, the two most important ingredients used in the manufacture of soft drinks.

श्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव) : माननीय अध्यक्ष जी, विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित शीतल पेय में धीमा जहर मिलाए जाने के प्रमाण मिलने के बाद भी कई वर्ों से चर्चा चल रही है। उसके बाद संयुक्त संसदीय कमेटी का गठन हुआ, लेकिन उस कमेटी की सिफारिशों को नहीं माना गया। आज भी विदेशी शीतल पेय कम्पनियां हमारे नौजवानों और बच्चों को धीमा जहर पिला रही हैं। कल पुनः समाचार पत्रों में आया कि एक प्राइवेट संस्था ने जांच कराई और पाया कि शीतल पेय में जहर मिला हुआ है। हमारी मांग है कि एक मानक तय करना चाहिए कि ऐसे शीतल पेय बाजर में न आएं, जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाए, जो हिंदुस्तान की धरती पर विदेशी कम्पनियों के माध्यम से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक शीतल पेय पिलाती हैं। इन शीतल पेयों में एक प्रतिशत उनका फार्मूला होता है और 99 प्रतिशत हमारे देश का पानी होता है, लेकिन उस पानी का दाम भी वे कम्पनियां अदा नहीं करती हैं। विदेशी कम्पनियां दिनों दिन दोगुना, चौगुना लाभ कमा रही हैं, जिससे हमारे देश का नुकसान हो रहा cè[i16]।

हमारी अपील है कि हिन्दुस्तान के किसानों को मजबूत करने के लिए शीतल पेय के स्थान पर आप अपने किसानों द्वारा पैदा किए गए मट्ठे, दूध और दही को प्रमोट करेंगे तो देश के नौजवान बच्चे मजबूत भी बनेंगे और हम शीतल पेय कम्पनियों को भी किनारे कर सकेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, आज आपने मेरा नम्बर पीछे धकेल दिया। ...(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : आप रोज बोलेंगे, तो ऐसा ही होगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैं नोटिस दे रहा हूं इसलिए मुझे रोज बोलने का मौका मिल रहा है। आपके मैम्बर्स यदि नोटिस देने की कसरत करेंगे तो उन्हें भी बोलने का मौका मिलेगा।

MR. SPEAKER: You can discuss with him somewhere else and not here.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, श्री रामजीलाल सुमन ने बहुत गम्भीर विाय पर चर्चा उठायी है। मैं उनकी बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए दो-तीन बिन्दु रखना चाहता हूं - पहला यह है कि शीतल पेय से जहां लीवर को नुकसान पहुंचता है, वहीं कैंसर होने की सम्भावना बढ़ती है और गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ता है। जब जेपीसी बनी थी तो एक मानक तय हुआ था लेकिन तीन वर्षों के अन्दर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मानक लागू नहीं किए गए और न ही अधिसूचना जारी की गई। जैसा कि अखबार में छपा है कि स्वास्थ्य सचिव ने पत्र जारी कर उस पर रोक लगायी है इसलिए अधिसूचना जारी नहीं की गई। हमारी नजर में *... स्वास्थ्य मंत्रालय शंका के घेरे में हैं। इन कम्पनियों ने इस मंत्रालय को विश्वास में लेकर भारत के जान-मान को हानि पहुंचाने की एक साजिश की। वैसी स्थिति में हम आपसे आग्रह करते हैं कि एक अलग जेपीसी बना कर, मानक तय हो चुके हैं, * ... की नीयत की जांच करायी जाए कि अब तक मानक लागू क्यों नहीं किए गए और क्या कारण है? मैं नहीं कहना चाहता हूं कि *...

MR. SPEAKER: Do not record the serious charges made by him.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्रालय इस घटना में लिप्त हैं और उसके चलते आज तक मानक लागू नहीं हुए तथा अधिसूचना जारी नहीं हुई इसलिए इसकी जांच कराना आवश्यक है।

SHRI PRABODH PANDA (MIDNAPORE): Sir, all of us may recall that the Joint Parliamentary Committee was set up to investigate the matter and to direct the Government to finalise the standards, setting safety limits on residues of pesticides. The point is, standard has already been finalised but the situation has not changed so far.

* Not recorded

The Centre for Science and Environment has conducted a study and it has presented a very shocking figure. It has conducted tests on 57 soft drink samples from 25 different soft drink manufacturing plants spread over 12 States, and has found pesticide residue in all the samples. A cocktail of three to five different pesticides have been detected. Coca Cola sample bought from Kolkata exceeds the BIS finalised standards by 140 times as far as toxic pesticide Lindane is concerned. Similarly, the Coca-Cola sample manufactured in Thane contained Chlorpyrifos, 200 times the same standard… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All these have come in the newspapers. We all know it.

SHRI PRABODH PANDA : My point is that the Government should take it seriously and should take stringent action against the companies who have violated the norms. They should be booked. I would like to know what steps have been taken by the Government so far. It is a very serious matter. I would like to bring it to the notice of the House and the Minister.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Two Members cannot speak at the same time.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः मैं सब को बोलने के लिए बुलाऊंगा।

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः सभी ने यह मामला उठाया है।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैं उन सब बातों और आरोपों को दोहराना नहीं चाहता जो माननीय सदस्यों ने कही हैं। कल जब यह खबर आई तो मंत्री महोदय से पूछा गया और उनका जो जवाब था, मैं उसकी घोर निन्दा और आपत्ति प्रकट करना चाहता cÚÆ[R17]।

देश के करोड़ों लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ हो रहा है और वह कहते हैं कि यदि मेरे पास कोई रिपोर्ट आएगी तो मैं विचार करूंगा। अभी इसकी जांच की कोई बात नहीं है। मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा असभ्य बात और कोई हो सकती है। करोड़ों लोगों की जिंदगियों के साथ खिल वाड़ हो रहा है। मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि आपने पूरे हाउस की सैन्स ली है, मुझे नहीं लगता कि इस सदन में कोई भी ऐसा व्यक्ति है जो इस पक्ष में हो कि कोका कोला और पेप्सी कोला, जो लोगों को इस प्रकार का जहर पिला रही हैं, उन्हें कान्टीन्यू किया जाए। यदि कोई है तो यहां खड़ा हो जाए। मैं समझता हूं कि एक भी व्यक्ति नहीं हैं। जब पूरे हाउस की सैन्स है तो क्यों नहीं इन पर प्रतिबंध लगाया जाए। ये कंपनियां तुरंत बैन क्यों नहीं होनी चाहिए। मैं समझता हूं कि इन्हें इमिडिएटली बैन करना चाहिए।…(व्यवधान) हाउस की सैन्स है, इसलिए तुरंत इन पर प्र ातिबंध लगाया जाए, इनके विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाया जाए और सरकार इस चीज को क्लियर करे कि वह इन पर प्रतिबंध लगा रही है या नहीं। यदि इसी तरह से करोड़ों लोगों को जहर पिलाया जाता रहा तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार है और सारी बात सरकार के ऊपर ही आयेगी। इसलिए तुरंत इन पर और इनके विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाया जाए और सरकार इसके बारे में सदन में आश्वासन दे।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी आप बैठ जाइये। मैं आपको भी बुलाऊंगा।

SHRI L. GANESAN (TIRUCHIRAPPALLI): Sir, I wish to bring to the kind attention of the Government that there is a need to bring peace in Sri Lanka… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: On what subject are you speaking?

SHRI L. GANESAN : Sir, I have given notice on the Sri Lankan problem.

MR. SPEAKER: I will come to it later.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, कोका कोला और पेप्सी कोला एक जहर है। आज इनसे देश के लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है,. बल्कि करोड़ों लोगों की जिंदगी पर प्रतिकूल असर पड़ने के साथ-साथ इनसे भारत की मूल संस्कृति का भी खात्मा हो रहा है। आज लोग दूध-दही को छोड़कर पाश्चात्य देशों की कल्चर को एडॉप्ट करके कोका कोला और पेप्सी कोला के जहर को पी रहे हैं। यह कहां तक उचित है, जबकि इसमें पेस्टिसाइड्स पाये गये हैं। इसलिए हमारा अनुरोध है कि सरकार कोका कोला और पेप्सी कोला पर तुरंत प्रतिबंध लगाकर इन कंपनियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करे और मठ्ठा कोला को इंट्रोड्यूस करे। गांवों में जो मठ्ठा होता है, यदि उसे इंट्रोड्यूस किया जायेगा तो इससे देश के लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की दिशा में कल ही संसद में चर्चा हुई है कि कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम हैं, इसलिए कृषि उत्पादित जो गांवों का मठ्ठा और दही है, इनसे पेय पदार्थ बनाने की अनुमति दी जाए और सरकार पेप्सी कोला और कोका कोला पर प्रतिबंध लगाये।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not disturb the House.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I would go to another subject.

... (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मठ्ठा कोला को रेलवे में इंट्रोड्यूस किया था, इसे वहां पूरी तरह से लागू किया जाए।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : लालू जी, आपने रेलवे में इसे शुरू किया था, लेकिन बाद में बंद कर दिया।...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : लालू जी, आपने कोका कोला और पेप्सी कोला की वैन्डिंग मशीने लगा दी हैं, आप तुरंत इन्हें बंद करायें।

MR. SPEAKER: All of you know that it is a serious matter. I still have a few more notices to be taken up apart from this subject. There are many more important subjects which the hon. Members want to raise. If you keep quiet, I would call you one by one.

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): Sir, I also read in the newspapers regarding the pesticides residue in the Pepsi Cola and other soft drinks. In the year 2003, when the NDA Government was in power, a similar situation had arisen and a Committee was formed to go into the matter. But the situation could not be controlled. Again the matter regarding pesticides residue in soft drinks has come up. So, the Government has to come forward and take serious steps and stop these drinks. It is because most of these drinks are used by children. So, it should be taken up seriously[r18].

MR. SPEAKER: Thank you very much for your co-operation.

... (*Interruptions*)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, अभी आपको याद आया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are certainly not the last. I was going from Party to Party. You know my respect for you. Please do not make such remarks.

श्री रेवती रमन सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने जो बातें यहां कहीं हैं, मैं उन्हें नहीं दोहराऊंगा। मैं तीन-चार बातें कहना चाहूंगा। सन् 2003 में यह मामला लोक सभा में उठा था और जो जे.पी.सी. की कमेटी बनाई गई, उसकी रिपोर्ट 2004 में आ गई थी। उसे आज तक लागू क्यों नहीं किया गया ? मैं इस लोक सभा के माध्यम से श्रीमती सुनीता नारायण, निदेशक को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने इस बात का रहस्योद्घाटन किया और मीडिया के लोगों को भी मैं बधाई दूंगा कि उन्होंने इस बात को पूरे देश में चारों तरफ प्रचारित किया कि इसमें घातक पेस्टीसाइड्स मिलाए जाते हैं और इसके बारे में विस्तार से बताया। गांवों में भी जो शादी-विवाह होते हैं, आजकल वहां भी कोकाकोला और पेप्सी चलती है। इस बारे में टी.वी. और विज्ञापनों के माध्यम से काफी प्रचार किया गया। मैं पूछना चाहूंगा कि जो जे.पी.सी. की रिपोर्ट है, उसे लागू क्यों नहीं किया गया ? स्वामी रामदेव जी ने भी जब यह कहा कि इसका उपयोग बाथरूम धोने के काम में लिया जाए तब लोगों ने इसको सीरियसली नहीं लिया कि इसमें बाथरूम तथा नाली धोने के लिए जो कीटनाशक प्रयोग किया जाता है, वही पेस्टीसाइड्स का इसमें भी प्रयोग किया जाता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि या तो जे.पी.सी. की रिपोर्ट लागू करवा दीजिए और नहीं तो नयी जे. पी.सी. बनवा दीजिए और जे.पी.सी. बनवाकर तीन महीने के अंदर उसकी रिपोर्ट बनवाकर इस गंभीर प्रकरण का सत्यापन करवा दीजिए।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, कोकाकोला और पेप्सी में जो कीटनाशक पाया गया है और उसके ऊपर बैन लगाने के बारे में जो हम लोग चर्चा कर रहे हैं, बात यह है कि एन.डी.ए. की जब सरकार थी, तब भी इसमें मिलावट होती थी लेकिन तब एक्शन नहीं लिया गया।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No running commentary please.

श्री रामदास आठवले : अभी हमारी सरकार आ गई है और हमें थोड़ा मौका मिलना चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं कि जिन लोगों ने कोकाकोला और पेप्सी में मिलावट की है, ज़हर मिलाया है, अब उन कंपनियों के मालिकों को ज़हर पिलाने और उनके ऊपर पाबंदी लगाने की आ वश्यकता है। इसलिए उनके ऊपर पाबंदी लगाई जाए, यह हमारी मांग है।...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : अध्यक्ष महोदय, इससे पार्लियामेंट का भी संबंध है। मैं उसी आस्पेक्ट पर बोलूंगा कि एक तो संसद की और संसद सदस्यों की मर्यादा बचानी है। आपने खुद इंट्रोड्यूस किया कि कोई संसदीय समिति जब रिपोर्ट देती है तो उसके ऊपर एक्शन टेकन रिपोर्ट आती है। यह तीन साल पुरानी बात है। अब तक सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। दो सरकार हमने देखीं और अभी भी मैं सीधे-सीधे बात कहूंगा तथा मीडिया और ऐसी एजेंसीज-सेंटर फॉर साइंस एंड एनवॉयरनमेंट है, उनको धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने ऐसे तथ्यों को उजागर किया। हालांकि विज्ञापनों तथा स्पांसरशिप का मामला है। आखिर सरकार को किस लैवल की स्पांसरशिप मिलती है कि ऐसी कंपनियों के खिलाफ वह ठोस कदम उठाने से कतराती है ? मैं कहता हूं कि बीआईएस- कमेटी के बाद कमेटी, सब कमेटी के बाद सब कमेटी करके इस पर मानक तैयार कर चुका है जो माननीय सदस्य बोल रहे हैं कि इस पर मानक बनाया जाए। इस पर बीआईएस मानक तैयार कर चुका है लेकिन सरकार नोटिफाइ नहीं कर रही है। सरकार अभी भी कंटीन्यू कर रही है और नोटिफाइ नहीं करना चाहती। एक तरफ सरकार कहती है कि मामला कोर्ट में है।...(व्यवधान) सर, मैं रिपीट नहीं कर रहा हूं। सर, हमारे लिए शर्मिन्दगी की बात है कि हम इसे खतरनाक समझते हैं और इसीलिए हमने संसद के अंदर इस पर पाबंदी लगा दी है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या संसद यह जिम्मेदारी नहीं ले सकती कि पूरे देश के अंदर इस पर पाबंदी लगाई जाए वर्ना लोग समझेंगे कि हम अपने को बचा रहे हैं लेकिन इस देश के करोड़ों बच्चों को मौत की तरफ धकेल रहे हैं।...(व्यवधान) इसमें लिंडेन तथा कई अन्य

ऐसे ही घातक पेस्टीसाइड्स पाये जाते है, जिससे मेंटल डिसबैलेंस होता है और मैं समझता हूं कि सरकार को तुरंत नोटिफाइ करना चाहिए। भारत सरकार का इन कंपनियों के साथ *... ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Those words will not go on record.

(Interruptions) ...*

मोहम्मद सलीम : यही वजह है कि न कोर्ट में और न संसद में सरकार इस पर अपना रवैया साफ नहीं कर रही cè[R19]।

आज इस विाय पर कनसैन्सस है और पार्टी लाइन से ऊपर उठकर जब पूरी संसद एक आवाज़ में कह रही है तो सरकार को तुरंत इस पर बैन लगाना चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Avinash Rai Khanna.

... (*Interruptions*)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: I would not allow anybody else to speak except Shri Avinash Rai Khanna. Please do not record anything.

(Interruptions) ...*

अध्यक्ष महोदय : आपके लीडर बोल चुके हैं। एक साथ कैसे बोलेंगे?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not disturb the proceedings now. Shri Basu, it is not being recorded. What is happening here? Nothing is being recorded, Shri Basu.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Do not misuse the opportunity I am giving to you.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I do not know what you are talking. Nothing is being recorded.

(Interruptions) ...*

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है। आप सीनियर मैम्बर हैं। यह ठीक नहीं है कि जो कुछ मन में जब आया तब बोल देंगे।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय : ** पहला काम आप चाहते हैं कि कोई चेयर पर नहीं रहे और यहां अखाड़ा बनाएं।

...(व्यवधान)

श्री अविनाश राय खन्ना (होशियारपुर) : अध्यक्ष महोदय, सभी सदस्यों ने इस पर चिन्ता व्यक्त की है कि धीरे-धीरे एक ज़हर इन सॉफ्ट ड्रिंक्स के ज़रिये देश के लोगों को पिलाया जा रहा है। मैं समझता हूं कि आज अपने लिए, अपने परिवार के लिए, दोस्तों के लिए बाज़ार से ज़हर लाकर पिलाना खास तौर से गांवों में एक स्टेटस सिम्बल बन गया है। लस्सी पिलाएंगे तो सोचते हैं कि शायद आज के स्टेटस के मुताबिक बहुत छोटे परिवार से संबंध रखता है। इसलिए वह भी ज़हर सर्व करता है और कोका कोला और पैप्सी कोला पिलाता है। जब सभी सदस्यों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इस बात की मांग की है कि इन् पर बैन लगना चाहिए तो क्यों नहीं एक ऐसा रिज़ॉल्यूशन इस सदन की तरफ से लाया जाए कि आज ही हम ऐसा नहीं करेंगे तो सदन की अथॉरिटी खत्म होगी।

---

* Not recorded

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि जेपीसी की रिपोर्ट पर एक्शन नहीं लिया गया। कहीं सरकार की मंशा यह तो नहीं कि देश में जनसंख्या वैसे कम नहीं हो रही तो धीरे-धीरे ज़हर पिलाकर जनसंख्या कम कर दी जाए! इनके एडवर्टाइज़मैंट पर भी करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। ...(व्यवधान) इस सबकी जांच होनी चाहिए।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, I have a very specific point to make.

The multinational company, Pepsi Cola and Coca Cola, has refused to print the list of ingredients on the bottle. It is compulsory everywhere. But the House may kindly note that this are the only companies, Pepsi Cola and Coca Cola, which does not print the list of ingredients on the label which means that if it is printed, it would be proved that it is a slow poison drink in the country. It is not an issue that it is a multinational company. The issue is that they are violating the norms in relation to soft drink. Therefore, I join and I call upon all my colleagues here to make a simple demand that Pepsi Cola and Coca Cola should be banned in this country.

I would give you my own experience. There was a Pepsi Cola bottle lying in my house which had expired. I had used that in my toilet and I could find that the whole toilet was cleaned in a few minutes. Therefore, Pepsi Cola and Coca Cola should be asked to produce detergents and insecticides instead of producing drinks for the country. It is a slow poison.

श्रीमती रंजीत रंजन (सहरसा) : अध्यक्ष महोदय, मैं तीन-चार बातें कहना चाहती हूं। यह मिलावट कई वर्षों से चल रही है चाहे यूपीए की सरकार रही हो या एनडीए की सरकार रही cÉä[h20]।

सरकार किसी की भी हो, यह बात नहीं है। कई वर्षों से ऐसी बातें सामने आ रही थीं कि इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो हानिकारक हैं। चाहे किसी की भी गवर्नमेंट हो, सरकार ने आज तक इस चीज को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? जब ये तत्व सामने आए तो क्या हम इन कम्पनियों पर भारी जुर्माना लगाने जा रहे हैं? हमारे बॉलीवुड के लोग और खिलाड़ी इस चीज का एड कर रहे हैं, क्या उन्हें तुरंत मीडिया और टी.वी. से बंद

किया जाएगा? इसी तरह से आज जो फास्ट फूड, पीज़ा, बर्गर और नूडल्स के बारे में बात आ रही है कि यह बच्चों के लिए बहुत हानिकारक है, क्या इसका भी आगे मापदंड तैयार करने जा रहे हैं? इतना ही कह कर मैं अपनी बात समाप्त करती हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let me complete first. Shrimati Satheedevi – not present. नोटिस देकर भी नहीं रहते हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जिनका लिस्ट में नाम है, उन्हें अगर नहीं बुलाएंगे, तो वे गुस्सा करते हैं।

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, आज सदन देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े हुए सवाल पर चर्चा कर रहा हैं। आज अखबारों में जो सी.एस.ई. की रिपोर्ट आई है, उन्होंने दावा किया है कि देश के 12 राज्यों में उन्होंने 11 ब्रांडों का नमूना लेकर, कीट नाशक प्रतिबंधित रसायन से युक्त रिपोर्ट दी है। जो लोगों की सेहत के लिए अत्यंत खतरनाक एवं घातक है। इसके पहले भी तीन वर्ा पहले घटना हुई थी, उस समय जेपीसी की रिपोर्ट भी आई। सरकार को उस पर कार्यवाही करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की। इस तरह का कार्य करने वाली जो बहुराट्रीय कम्पनियां हैं, वे लगातार पूरे देशभर में धीमा जहर बेच रही हैं, उन पर यदि रोक नहीं लगाई जाएगी तो मुझे लगता है कि देश को बहुत बड़ी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। न सिर्फ कोकोकोला और पेप्सीकोला में, बल्कि अन्य दूसरे भी जो इनके उत्पाद हैं, उनमें भी इस तरह का जहर मिला हुआ है, इन्हें तत्काल रोका जाए। इन कम्पनियों को प्रतिबंधित किया जाए और लोगों को जो हानि हो रही है, उसकी एवज् में उनके ऊपर जुर्माना लगाया जाए तथा इन पर मुकदमा चलाने का काम किया जाए।

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरा सदन चिन्तित है और आप स्वयं भी चिन्तित हैं, जिस तरह पेप्सीकोला और कोकोकोला में जहर पैदा करके आम लोगों को मारा जा रहा है, यह सर्वविदित है। कल जो रिपोर्ट आई है, उससे हम सब लोग अवगत हैं। इसके पहले भी इस पर सदन में चर्चा हुई थी।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि जहर मिलाने की शुरुआत 1977 में, तत्कालीन मंत्री,* ... के समय में हुई और उस समाज से आज तक पूरे तौर पर स्थिति बिल्कुल चिन्ताजनक बनी हुई है। इसका मानक है, सब कुछ है, मगर इसके बावजूद आज तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। कोकोकोला और पेप्सीकोला के नाम पर, खास तौर पर देहाती इलाकों में प्रचार और विज्ञापन के माध्यम से फैशन चलाया जा रहा है। ये देहाती इलाकों में नकली पेय बना-बना कर आम लोगों को मारने की कोशिश की जा रही है। पूरे पैमाने पर समाज को दूति करने का काम और हर इंसान को मारने का काम किया जा रहा है, हम और आप सब लोग चुप बैठे हैं। इस पर सरकार क्यों नहीं कार्यवाही कर रही है, जब कि जेपीसी की रिपोर्ट आपके पास है।

अध्यक्ष महोदय, आज जो कोल्ड ड्रिंक्स के नाम पर इस तरह का जहर फैलाया जा रहा है, आज शुद्ध रूप से दूध ही है, इसके अलावा सब कुछ विशुद्ध है, जो कि मिलावट के तौर पर है। इसलिए मैं आप सबसे यही कहूंगा कि दूध के अलाव सब कुछ छोड़िए, केवल दूध और मट्ठा का इस्तेमाल कीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : पानी वाला दूध या कौन सा दूध?

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : अगर आप पेप्सीकोला पीते रहेंगे तो लोगों का नाश हो जाएगा, ये खुलेआम, खुली आंख से देख रहे हैं और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका बहुत अच्छा सुझाव है, आप दूध खरीद कर गरीब आदमी को दे दें।

…(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : जहर की उत्पत्ति तो 1977 में, जब * ... थे, उस समय हुई थी।...(व्यवधान)

---

* Not recorded

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने उनका नाम लिया है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यदि नाम लिया है, तो उनका नाम रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

(Interruptions) * ...

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, do not get upset.

… (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक : अध्यक्ष जी, पूरे सदन की भावनाओं को देखते हुए और आपकी भावना को देखते हुए कि इस मुद्दे को आपने बहुत गम्भीरता से लिया है, मैं आपके माध्यम से सरकार से करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि इस विाय में तुरन्त कार्रवाई की जाए और जब तक रिपोर्ट नहीं आती है, तब तक इस प्रकार के जितने भी कोल्ड ड्रिंक्स हैं उन्हें तत्काल बैन किया जाए। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Twenty-one hon. Members have raised this matter.

… (*Interruptions*)

श्री अवतार सिंह भडाना (फ़रीदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, दो र्वा पहले जब इनकी पार्टी की सरकार थी और श्रीमती सुामा स्वराज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री थीं, तब हमने मांग की थी, तो इन्होंने कुछ भी नहीं किया था। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please sit down. This is very bad. This is a bad behaviour.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Avtar Singh Bhadana, I have not called you. Please sit down.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri N.N. Krishnadas, this is a bad habit. Do not speak sitting.

… (*Interruptions*)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: This is very strange. You are asking the Government to respond. But when the Minister is standing up to respond, you are not allowing him to speak. You only want to hear your own voice.

… (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Sir, I have heard the opinion, expressions and comments of the distinguished hon. Members with rapt attention. I am also part of the House. Let us not bring politics into it. Let us take it seriously. … (*Interruptions*) First, I would like to emphatically deny the allegation levelled by hon. Members, Shri Md. Salim and Shri Anil Basu that the Government was part of the **….** (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Anil Basu, please take your seat.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is not being recorded. It will not be recorded.

(Interruptions) ...*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: I emphatically deny their allegation. There is no collusion. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, if you continue like this, I will adjourn the House.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

(Interruptions) ...*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: You substantiate your allegation. … (*Interruptions*) What are you talking?

MR. SPEAKER: Shri Md. Salim, it is not expected of you.

… (*Interruptions*)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Shri N.N. Krishnadas, would you take your seat?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Minister, do you want to add anything? Otherwise, I will go to next item.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is very bad. It is a condemnable behaviour.

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के ऐलीगेशन लगाने से कैसे काम चलेगा। हमारी तो सदन के प्रति कुछ जिम्मेदारी है। … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are making allegations and you do not want the Minister to refer to that. Will you not allow him to speak? This is not expected of you.

… (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: This is one point. The second point is that, it is true that after the JPC Report came, the UPA was so conscious about the entire matter. … (*Interruptions*) What is this? … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will have to ask some hon. Members to either cooperate or leave the House.

… (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: The day our Government assumed office, it is no less than the Prime Minister himself who advised us that the time has come to ensure a comprehensive legislation on the food standards and safety, right from soft drinks, like Coca Cola, Pepsi Cola to fast food items. We did pass a legislation with the help of the hon. Members only a few days back. … *Interruptions*) It has to be assented to by the President. Then, we have to bring the law. Then we have to issue appropriate notification to all the State Governments. … (*Interruptions*) Allow me.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, इस विाय पर हम अपना रोा प्रकट करते हैं और सदन से बहिर्गमन करते हैं।

12.50 hrs

(Then, prof. Vijay Kumar Malhotra and some other hon. Members left the House)

MR. SPEAKER: I have called Chaudhary Lal Singh. Please take your seat.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing else will be recorded except the speech of Chaudhary Lal Singh.

(Interruptions) ...*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: The concern of the House shall be communicated to the appropriate Minister. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has given an assurance. You want an immediate action. How can it be possible?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Chaudhary Lal Singh, you come to one of the front benches.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Anil Basu, I am not allowing you to speak.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Only what Chaudhary Lal Singh says will go on record and nothing else.

(Interruptions) ...*

---

* Not recorded